

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR MASTER OF ARTS (HINDI)

(Based on Curriculum and Credit Framework as per NEP 2020)

With effect from the Academic Session 2025-26



**CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
ROHTAK (HARYANA)**

SCHEME OF EXAMINATIONS MASTER OF ARTS (HINDI)

Type of Course	Nomenclature of Course	Course Code	Total Credits	Assignment Marks	Term End Examination (Theory) Marks	Total Marks
Semester I (2025-26 Onwards)						
DSC 1	आधुनिक हिंदी कविता-1	25HND201DS01OD	04	30	70	100
DSC 2	आधुनिक गद्य साहित्य-1	25HND201DS02OD	04	30	70	100
DSC 3	हिंदी साहित्य का इतिहास-1	25HND201DS03OD	04	30	70	100
DSC 4	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा-1	25HND201DS04OD	04	30	70	100
DSC 5	विशेष रचनाकार कबीरदास-1	25HND201DS05OD	04	30	70	100
SEC1	भाषाई दक्षता-1	25HND201SE01OD	04	30	70	100
Semester II (2025-26 Onwards)						
DSC 6	आधुनिक हिंदी कविता-2	25HND202DS01OD	04	30	70	100
DSC 7	आधुनिक गद्य साहित्य-2	25HND202DS02OD	04	30	70	100
DSC 8	हिंदी साहित्य का इतिहास-2	25HND202DS03OD	04	30	70	100
DSC 9	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा-2	25HND202DS04OD	04	30	70	100
DSC 10	विशेष रचनाकार कबीरदास-2	25HND202DS05OD	04	30	70	100
SEC2	कंप्यूटर और हिंदी	25HND202SE01OD	04	30	70	100

Type of Course	Nomenclature of Course	Course Code	Total Credits	Assignment Marks	Term End Examination (Theory) Marks	Total Marks
Semester III (2026-27 Onwards)						
DSC 11	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-1	26HND203DS01OD	04	30	70	100
DSC 12	भारतीय काव्यशास्त्र-1	26HND203DS02OD	04	30	70	100
DSC 13	भारतीय साहित्य-1	26HND203DS03OD	04	30	70	100
DSC 14	प्रयोजनमूलक हिंदी-1	26HND203DS04OD	04	30	70	100
DSC 15	विशेष रचनाकार प्रेमचंद-1	26HND203DS06OD	04	30	70	100
SEC 3	हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-I	26HND203SE01OD	04	30	70	100
Semester IV (2026-27 Onwards)						
DSC 16	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य-2	26HND204DS01OD	04	30	70	100
DSC 17	भारतीय काव्यशास्त्र-2	26HND204DS02OD	04	30	70	100
DSC18	भारतीय साहित्य-2	26HND204DS03OD	04	30	70	100
DSC19	प्रयोजनमूलक हिंदी-2	26HND204DS04OD	04	30	70	100
DSC20	विशेष रचनाकार प्रेमचंद-2	26HND204DS06OD	04	30	70	100
SEC4	हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-II	26HND204SE01OD	04	30	70	100

SEMESTER - I

Semester 1st

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	आधुनिक हिंदी कविता- I	Course Code	25HND201DS01OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक.. एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए **पांच** अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न 3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों की समझ
2. आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन

Unit 1: मैथिलीशरणगुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरणगुप्त की नारीविषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

Unit 2 : जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध ।

Unit 3: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्तिपूजा, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुंदरी, मैं अकेला, तोड़ती पत्थर, बादल राग प्रथम खंड

छायावादी काव्य परम्परामें निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूलकथ्य ।

Unit 4: रामधारी सिंह दिनकर : कुरुक्षेत्र षष्ठम् सर्ग ।

कुरुक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य ।

References:-

- 1 मैथिलीशरणगुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ० उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- 2 मैथिलीशरणगुप्त और साकेत : डॉ० ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।
- 3 साकेत एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- 4 संपूर्ण कामायनी (पाठ-अर्थ-समीक्षा) : डॉ० हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद
- 5 निराला की साहित्य साधना : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 नई कविता की भूमिका : डॉ० प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- 7 छायावादी काव्य और निराला : डॉ० कुमारी शांतिश्री वास्तव, ग्रंथमकानपुर ।
- 8 निराला : डॉ० पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 निराला और नवजागरण : डॉ० रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।

- 10 निराला— डॉ० रामविलास शर्मा, शिवलालअग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
- 11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग—डॉ. रामनिवास शर्मा, राजकमलदिल्ली ।
- 12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
- 13 निराला की साहित्य साधना— डॉ० रामविलास शर्मातीनों खंड
- 14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेकऔरउनकीकविता— डॉ० ललनराय, मंथनपब्लिकेशन, रोहतक
- 15 अज्ञेय की काव्य चेतना— डॉ० कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा, दिल्ली ।
- 16 दिनकरकाव्य का पुनर्मूल्यांकन : डा० शम्भुनाथ

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	आधुनिक गद्य साहित्य – I	Course Code	25HND201DS02OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दसवस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का ज्ञान
- 2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी

Unit 1: प्रेमचंद—गोदान

कृषक जीवन का महाकाव्य, युगीन समस्याओं का निरूपण, प्रमुख पात्रों का चरित्र—चित्रण, प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

Unit 2: हजारी प्रसाद द्विवेदी—बाणभट्ट की आत्मकथा :

बाणभट्ट की आत्मकथा की मूलसंवेदना, प्रेमदर्शन, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्त्री—पात्र, बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता

Unit 3: महादेवी वर्मा—अतीत के चलचित्र :

महादेवी वर्मा की संवेदना, सामाजिक समस्याओं का निरूपण, चरित्र—चित्रण, रचना—शिल्प

Unit 4: कथान्तर— सं. परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन पेपर बैक्स, दिल्ली

निर्धारित कहानियाँ—उसने कहा था, कफन, आकाश दीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लालपान की बेगम। निर्धारित कहानियों की मूलसंवेदना और शिल्प

References:-

- 1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ० रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
- 2 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- 3 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ० इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
- 4 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ० इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 प्रेमचंद : डॉ० गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 कहानी : नई कहानी—डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।
- 7 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- 8 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- 9 हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ० इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
- 10 हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ० वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना ।
- 11 नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- 12 हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव, ग्रंथमकानपुर ।

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	हिंदी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल)	Course Code	25HND201DS03OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note: प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।			
पCourse Learning Outcomes (CLO): 1 इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी 2 हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन			
Unit 1:1 हिंदी साहित्य इतिहास के अध्ययन की पूर्व-पीठिका हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा साहित्य इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ हिंदी-साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण			
Unit 2:आदिकाल नामकरण और सीमा परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ रासो काव्य-परंपरा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता			
Unit 3:भक्तिकाल परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक भक्ति-आंदोलन भक्तिकालीन काव्य-धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान संत काव्य-धारा : वैशिष्ट्य सूफी काव्य-धारा : वैशिष्ट्य राम काव्य-धारा : वैशिष्ट्य कृष्ण काव्य-धारा : वैशिष्ट्य भक्तिकाल : स्वर्णयुग			
Unit 4:रीतिकाल नामकरण और सीमा परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व विभिन्न काव्य-धाराओं की विशेषताएँ— रीतिबद्ध रीतिसिद्ध रीतिमुक्त रीतिइत्तर			

References:-

- 1 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- 2 हिन्दीसाहित्य का आलोचनात्मकइतिहास : डॉ० रामकुमारवर्मा, रामनारायण लाल, बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
- 3 हिन्दीसाहित्य की भूमिका : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 4 हिन्दीसाहित्य : उद्भवऔरविकास—आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
- 5 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : सम्पादक—डॉ० नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
- 6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- 7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ० रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
- 8 हिन्दीसाहित्य का दूसराइतिहास— डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृत्ति, डॉ० रामसजनपाण्डेय, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- 10 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : डॉ० रामसजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
- 11 हिन्दीसाहित्येतिहासदर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- 12 हिन्दीसाहित्य का वैज्ञानिकइतिहास : डॉ० गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़ ।
- 13 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : डॉ० हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
- 14 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्, पटना ।
- 15 आधुनिकहिन्दीसाहित्य : लक्ष्मी सागर वाष्णीय, हिन्दीपरिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद ।
- 16 हिन्दीसाहित्य चिन्तन : सम्पादकसुधाकरपाण्डेय, कलामन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।
- 17 हिन्दीसाहित्य औरसंवेदना का विकास : रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा- I	Course Code	25HND201DS04OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note: प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।			
Course Learning Outcomes (CLO): 1 भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान 2 भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी			
Unit 1:1 भाषा भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति भाषा के अध्ययन क्षेत्र भाषा की व्यवस्था और व्यवहार भाषा की संरचना भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)			
Unit 2: स्वन विज्ञान वाग्यंत्र और ध्वनि-उत्पादन प्रक्रिया स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण स्वन गुण और उनकी सार्थकता स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण			
Unit 3: रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान शब्द और रूप (पद) संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व रूप, संरूप, रूपिम्बों का स्वरूप रूपिम्बों का वर्गीकरण भाषा की इकाई के रूप में वाक्य अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद वाक्य के प्रकार : रचना की दृष्टि से अर्थ की दृष्टि से वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना			
Unit 4: अर्थ विज्ञान अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध अर्थ-बोध के साधन एकार्थकता, अनेकार्थता अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ			

References:-

- 1 भाषाविज्ञानऔरमानकहिंदी— डॉ० नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, 4424 नईसड़क, दिल्ली— 6
2004 ई०
- 2 भाषाऔरहिंदीभाषा का इतिहास— डॉ० नरेशमिश्र, हरियाणासाहित्य अकादमी, 169, सेक्टर—12, पंचकूला,
2006 ई०
- 3 भाषाऔरभाषाविज्ञान— डॉ० नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली—94, 2004 ई०
- 4 भाषाविज्ञान एवंहिंदी— डॉ० नरेशमिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसारोड, कश्मीरीगेट, दिल्ली
2007 ई०
- 5 हिंदीभाषा— डॉ० भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई०
- 6 भाषाविज्ञान— डॉ० भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०
- 7 भाषाविज्ञान की भूमिका— प्रो० देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्णप्रकाशन, अंसारीरोड, दरियागंजदिल्ली— 2,
2001 ई०
- 8 हिंदीभाषा का इतिहास— डॉ० धीरेन्द्रवर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई०
- 9 हिंदी : उद्भवविकासऔर रूप— डॉ० हरदेवबाहरी, किताबमहल, सरोजनीनायडू मार्ग, इलाहाबाद, 1980
ई०
- 10 सामान्य भाषाविज्ञान— डॉ० बाबूरामसक्सेना, हिंदीसाहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई०
- 11 व्याकरणिककोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन— डॉ० दीप्ति शर्मा, बिहारग्रंथअकादमीकदमकुआँ, पटना,
2000 ई०
- 12 आधुनिकभाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह—चतुर्भुजसहाय, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000
ई०
- 13 नागरी लिपि — डॉ० नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई०

Semester 1ST

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	विशेष रचनाकार कबीरदास—।	Course Code	25HND201DS05OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1 और 2 से कुल आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 3 और 4 से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यूनिट 3 और 4 से दो-दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
- 2 कविकबीरदास की कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1: व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : कबीर ग्रंथावली— सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

निर्धारित साखियाँ— 50

- | | |
|--|--------------------------------------|
| 1 गुरुदेवकौ अंग — 1, 5, 10, 16, 27 | 2 सुमिरणकौ अंग — 4, 15, 22, 27, 31 |
| 3 बिरहकौ अंग — 3, 12, 17, 25, 29 | 4. परचाकौ अंग — 4, 15, 22, 39, 44 |
| 5 निहकर्मपतिव्रताकौ अंग — 1, 5, 12, 13, 17 | 6 चितावणी कौ अंग — 9, 13, 19, 34, 45 |
| 7 मनकौ अंग — 7, 14, 23, 25, 29 | 8 मायाकौ अंग — 2, 12, 20, 28, 32 |
| 9 साचकौ अंग — 3, 7, 10, 12, 17 | 10. कुसंगतिकौ अंग — 1, 3, 5, 6, 7 |

Unit 2

निर्धारित पद — 20

रागगौड़ी— 1 से 20

Unit 3:

भक्ति आन्दोलन और कबीर, निर्गुणमत और कबीर, निर्गुणकाव्य परम्परा और कबीर, मध्यकालीन धर्मसाधना और कबीर, कबीर का समय, कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व

Unit 4:

कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व, कबीर का समाजदर्शन, कबीर का दार्शनिक चिंतन, कबीर की भक्तिभावना

References:-

- 1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणा और प्रवृत्ति—रामसजन पाण्डेय
- 2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिक भूमिका—रामसजन पाण्डेय

- 3 हिंदीकाव्य मेंनिर्गुण धारा—पीताम्बरदत्तबडथवाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ ।
- 4 कबीर—आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 कबीर की कविता— योगेन्द्रप्रताप सिंह
- 6 कबीरमीमांसा— डॉ० रामचंद्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 7 उत्तरीभारत की संत परम्परा—परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
- 8 कबीर के काव्य रूप—नजीरमुहम्मद
- 9 कबीरसाहित्य की परख —परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
- 10 संत कबीर— सं० रामकुमारवर्मा,
- 11 कबीर की विचारधारा—गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
- 12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धाराऔरकबीर—जयदेव सिंह
- 13 रघुवंश : कबीर : एक नईदृष्टि

SEMESTER- 1ST

Name of Program	HINDI	Program Code	
Name of the Course	भाषाई दक्षता	Course Code	25HND201SE01OD
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	

Note : Formative Assessment Model

	Marks distribution
Written test (2 X 15)	30
MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10)	20
Case study / Mini project (1 X 25)	25
Seminar / Presentation (2 X 10)	20
Attendance	05
Total	100

Course Learning Outcomes (CLO):

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलतामेंवृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवंपल्लवन की कुशलता का विकास

Unit 1:

भाषाई दक्षता का विकास
भाषाई दक्षता से तात्पर्य
भाषाई दक्षता का महत्व
श्रवणऔरवाचन
पठनऔरलेखन

Unit 2:भाषाई दक्षता की निर्माणप्रक्रिया

भाषाईसंरचना की समझऔरविकास
भाषा—व्यवहार (भाषिक प्रयोगऔर शैली)
भाषाई क्षमताकोप्रभावितकरनेवालेतत्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3: भाषाई दक्षता का प्रायोगिकपक्ष

भाषाई दक्षता की रणनीति : आंकलन, लक्ष्य निर्धारण, नियोजन के स्तरपर

शब्द-सामर्थ : सामान्य एवंतकनीकी शब्द

सुननाऔरबोलना-प्रभावीश्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़नाऔरलिखना- स्वाध्याय औरउद्देश्य-केंद्रितपठन, सामान्य लेखनऔररचनात्मकलेखन

Unit 4: भाषाई दक्षता का व्यावहारिकपक्ष

किसी एक विषय पर-भाषण, वार्तालाप या टिप्पणी, समूहचर्चा

किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लनन

द्रुतवाचन-किसीसाहित्यिक कृतिपरआधारितसमीक्षा-पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

References: 1. भाषाशिक्षण-रवींद्रनाथश्रीवास्तव

2. सृजनात्मकसाहित्य -रवींद्रनाथश्रीवास्तव

3. व्यावसानिकहिंदी-दिलीप सिंह

4. प्रयोजनमूलकहिंदी-दंगलझाल्टे

5. आधुनिकपत्रकारिता- डॉ. अनुजतिवारी

6. व्यावहारिकहिंदी एवंप्रयोग- डॉ. ओमप्रकाश

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकीऔरविचारधारा-जगदीश्वरचतुर्वेदी

SEMESTER - II

Semester 2ND

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	आधुनिक हिंदी कविता- 2	Course Code	25HND202DS01OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
- 2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1:

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोनमछली, एक बूँद सहसा उछली

प्रयोगवादी परंपरा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, असाध्य वीणा का मूल प्रतिपाद्य, अज्ञेय की काव्य भाषा।

Unit 2

नागार्जुन : चन्द्रमैने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उस के बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।

नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोकदृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, काव्य भाषा, काव्य शिल्प।

Unit 3:

गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती

मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्वदृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

Unit 4:

रघुवीरसहाय : पढिए गीता, किले में औरत, बड़ी होरही है लडकी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

स्वातंत्र्योत्तर युग और रघुवीरसहाय की कविता, रघुवीरसहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीरसहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य।

References:-

- 1 नागार्जुन का रचनासंसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
- 2 आलोचना का नागार्जुनविशेषांक
- 3 सागर से शिखरतक : रामकमलराय (लोकभारती)
- 4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
- 5 फिलहाल : अशोकवाजपेयी
- 6 रघुवीरसहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
- 7 रघुवीरसहाय : सम्पा0 विष्णुनागरऔरअसदजैदी, आधारप्रकाशन, पंचकूला ।
- 8 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओमप्रकाशअवस्थी
- 9 अज्ञेय का रचनासंसार : सम्पा0 गंगाप्रसादविमल
- 10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांतवांदिबडेकर
- 11 अज्ञेय : कविऔरकाव्य : डॉ0 राजेन्द्रप्रसाद
- 12 अज्ञेय : सृजनऔरसंघर्ष : डॉ0
- 13 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथप्रसादमिश्र
- 14 आज के प्रतिनिधि कविअज्ञेय : डॉ0 विद्यानिवासमिश्रा
- 15 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
- 16 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतनकुमारपाण्डेय
- 17 नागार्जुन की कवितामें युगबोध : चन्द्रिकाठाकुर
- 18 नागार्जुनऔरउनकारचनासंसार : विजय बहादुर सिंह
- 19 आलोचनानागार्जुनविशेषांक 1981
- 20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन—जगन्नाथपंडित
- 21 मुक्तिबोध की रचनाप्रक्रिया : अशोकचक्रधर
- 22 मुक्तिबोध ज्ञानऔरसंवेदना : नन्दकिशोरनवल
- 23 मुक्तिबोध के प्रतीकऔरबिम्ब : चंचलचौहान
- 24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
- 25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेकऔरउनकीकविता : डॉ0 लल्लनराय, मंथनपब्लिकेशंस, रोहतक ।
- 26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ादिल्ली ।

Semester 2ND

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	आधुनिक गद्य साहित्य –2	Course Code	25HND202DS02OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ **Note**

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दसवस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा ।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा ।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान
- 2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Unit 1: चंद्रगुप्त— जयशंकर प्रसाद

चंद्रगुप्त नाटक की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त ।

Unit 2 आधे अधूरे—मोहनराकेश

आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोग धर्मिता, चरित्र—चित्रण ।

Unit 3: आवारामसीहा—विष्णु प्रभाकर

जीवनी साहित्य में आवारामसीहा का स्थान, आवारामसीहा की रचना के प्रेरकत्व, आवारामसीहा में चित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्व वैशिष्ट्य, आवारामसीहा के संदर्भ में शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि ।

Unit 4: निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढ़ते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय निर्धारित निबंधों का प्रतिपाद्य एवं शिल्प ।

References:-

- 1 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास—डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
- 2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना—गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।
- 3 मोहनराकेश और उनके नाटक : गिरीशरस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद ।
- 4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहनराकेश, डॉ० गोविन्द चातक, इन्द्र प्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 नाटककार मोहनराकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 मोहनराकेश का नाट्य साहित्य : डॉ० पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।

- 7 समसामयिकहिंदीनाटकोंमेंचरित्र सृष्टि : सामयिकप्रकाशन, दिल्ली ।
- 8 हिंदीनाट्य चिंतन : डॉ० कुसुमकुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
- 9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ० नगेन्द्र, एस. चांद एंडकंपनी, दिल्ली ।
- 10 रंगमंच : बलवंतगार्गी : राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 11 आचार्यरामचन्द्र शुक्लनिबंध यात्रा : डॉ० कृष्णदेव, इतिहास, शोध संस्थान, नईदिल्ली ।
- 12 हिंदीसाहित्य मेंनिबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधानप्रकाशन, कानपुर ।
- 13 सरदारपूर्ण सिंह : रामअवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- 14 हिंदीनिबंधकार : जयनाथनलिन, आत्माराम एंडसंस, दिल्ली ।
- 15 समकालीनललितनिबंध : डॉ० विमलसिंहल, श्यामप्रकाशन, जयपुर ।
- 16 आवारामसीहा : जीवनी के निकषपर, मायामलिक, मंथनपब्लिकेशंस, रोहतक ।

Semester 2ND

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल-2	Course Code	25HND202DS03OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note: ➤ प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।			
Course Learning Outcomes (CLO): 1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान 2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी			
Unit 1: आधुनिक हिंदी साहित्य इतिहास परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक 1857 ई० की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण			
Unit 2 भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ			
Unit 3: द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ			
Unit 4 छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृत्तियाँ प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ			
References:- 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।			

- 3 हिन्दीसाहित्य की भूमिका : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 4 हिन्दीसाहित्य : उद्भवऔरविकास—आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी,
अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली ।
- 5 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : सम्पादक—डॉ० नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
- 6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- 7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ० रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
- 8 हिन्दीसाहित्य का दूसराइतिहास— डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृत्ति, डॉ० रामसजनपाण्डेय, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- 10 हिन्दीसाहित्य का इतिहास : डॉ० रामसजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
- 11 हिन्दीसाहित्येतिहासदर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- 12 हिन्दीसाहित्य का वैज्ञानिकइतिहास : डॉ० गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़ ।
- 13 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : डॉ० हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
- 14 हिन्दीसाहित्य का आदिकाल : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद, पटना ।
- 15 आधुनिकहिन्दीसाहित्य : लक्ष्मी सागर वाष्णीय, हिन्दीपरिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद ।
- 16 हिन्दीसाहित्य चिन्तन : सम्पादकसुधाकरपाण्डेय, कलामन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।
- 17 हिन्दीसाहित्य औरसंवेदना का विकास : रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

Semester 2ND

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – 2	Course Code	25HND202DS04OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान
- 2 भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी

Unit 1:

हिंदी भाषा का इतिहास

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
 मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

Unit 2

हिंदी का विकासात्मक स्वरूप

हिंदी की उप भाषाएँ :
 पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ
 पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ
 मानक हिंदी का स्वरूप
 काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
 काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास
 साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास
 हिंदी की संवैधानिक स्थिति

Unit 3:

हिंदी का भाषिक स्वरूप

स्वनिमव्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण
 व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण
 हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
 हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ में
 हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
 हिंदी वाक्य रचना
 हिंदी के विविध रूप : बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा

Unit 4

नागरी लिपि और हिंदी प्रचार-प्रसार

हिंदी : प्रचार-प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान

प्रमुख संस्थाओं का योगदान

नागरी लिपि का नामकरण और विकास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर परिचय एवं महत्व

आंकड़ा संसाधन

वर्तनी-शोधन

References:-

- 1 भाषा विज्ञान एवं हिंदी- डॉ० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदन सारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई०
- 2 हिंदी भाषा- डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई०
- 3 भाषा विज्ञान- डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०
- 4 भाषा विज्ञान की भूमिका- प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली-2001 ई०
- 5 हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई०
- 6 हिंदी : उद्भव विकास और रूप- डॉ० हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 1980 ई०
- 7 सामान्य भाषा विज्ञान- डॉ० बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई०
- 8 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन- डॉ० दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी, कदम कुआँ, पटना 2000 ई०
- 9 आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह-चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000 ई०
- 10 नागरी लिपि - डॉ० नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई०

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	<u>विशेष रचनाकार</u> <u>कबीरदास- 2</u>	Course Code	25HND202DS05OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note: प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1 और 2 से कुल आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 3 और 4 से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यूनिट 3 और 4 से दो-दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।			
Course Learning Outcomes (CLO): 1 हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान 2 कविकबीरदास की कविता की समझ विकसित होगी			
Unit 1: व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : कबीर ग्रंथावली- सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। निर्धारित साखियाँ- 50 संगति कौ अंग - 2, 3, 5, 7, 8 साध कौ अंग - 3, 7, 10, 11, 13 बिचार कौ अंग - 2, 4, 5, 7, 8 उपदेश कौ अंग - 1, 4, 6, 8, 10 विकर्ताई कौ अंग - 1, 3, 6, 7, 10 जीवन मृतक कौ अंग - 2, 4, 7, 12, 14 काल कौ अंग - 4, 7, 11, 16, 19 संजीवनी कौ अंग - 1, 2, 5, 6, 7 कस्तूरिया मृग कौ अंग - 3, 4, 6, 7, 8 निंदा कौ अंग - 1, 3, 4, 5, 7			
Unit 2 निर्धारित पद - 20 रामराम कली- 143 से 163 तक			
Unit 3 कबीर का स्त्री विषयक चिंतन कबीर की मानवतावादी दृष्टि कबीर का रहस्यवाद कबीर के राम कबीर की प्रासंगिकता			
Unit 4 कबीर के काव्यरूप कबीर की उलटबासियाँ कबीर की भाषा एवं प्रतीक योजना कबीर के पारिभाषिक शब्द : अलख, उन्मनि, अजपा जाप, अनहदनाद, सुरतिनिरति, नाद बिंदु, औं धा कुँ आ।			

References:-

- 1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणाऔरप्रवृत्ति—रामसजनपाण्डेय
- 2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिकभूमिका—रामसजनपाण्डेय
- 3 हिंदीकाव्य मेंनिर्गुण धारा—पीताम्बरदत्तबडथवाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ ।
- 4 कबीर—आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 कबीर की कविता— योगेन्द्रप्रताप सिंह
- 6 कबीरमीमांसा— डॉ० रामचंद्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 7 उत्तरीभारत की संत परम्परा—परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
- 8 कबीर के काव्य रूप—नजीरमुहम्मद
- 9 कबीरसाहित्य की परख —परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
- 10 संत कबीर— सं० रामकुमारवर्मा,
- 11 कबीर की विचारधारा—गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
- 12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धाराऔरकबीर—जयदेव सिंह
- 13 रघुवंश : कबीर : एक नईदृष्टि

Semester-2nd

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	कंप्यूटर और हिंदी	Course Code	25HND202SE010D
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	100	Time of Examinations	

Note : Formative Assessment Model

	Marks distribution
Written test (2 X 15)	30
MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10)	20
Case study / Mini project (1 X 25)	25
Seminar / Presentation (2 X 10)	20
Attendance	05
Total	100

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- 2 ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- 3 हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

Unit 1: कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी

कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास हिंदी के विविध फॉन्ट्स
कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

Unit 2: हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

इंटरनेट और हिंदी
देवनागरी और यूनिकोड
हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

Unit 3: हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण

हिंदी भाषा और ई-शिक्षण
ई-लर्निंग और हिंदी
हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

Unit 4: हिंदी भाषा और कंप्यूटर प्रायोगिक पक्ष

इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
हिंदी में वेब पेज तैयार करना
हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

References:-

1. हरिमोहन,कंप्यूटरऔरहिंदी, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
2. हरिमोहन,आधुनिकजनसंचारऔरहिंदी, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार,कंप्यूटर के भाषिकअनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4. गोयल, संतोष,हिंदीभाषाऔरकंप्यूटर, श्रीनटराजप्रकाशन, दिल्ली ।
5. शर्मा, पी. के., कंप्यूटर के डाटाप्रस्तुतिकरणऔरभाषासिद्धांत, डायनेमिकपब्लिकेशन, दिल्ली ।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक),सोशलनेटवर्किंग: नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली ।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा,पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह, कार्यालयीहिंदीऔरकंप्यूटर, प्रभातप्रकाशन, दिल्ली ।
8. रंजन, राजेश,अपनाकंप्यूटरअपनीभाषामें, सामयिकप्रकाशन, दिल्ली ।

SEMESTER - III

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 1	Course Code	26HND203DS010D
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1: चन्द्रवरदायी : पृथ्वीराज रासउ का पदमावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त (सम्पूर्ण)
पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता, पृथ्वीराज रासो का वस्तुवर्णन, पदमावती समय का काव्य सौंदर्य

Unit 2 विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक—रामवृक्ष बेनीपुरी

निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174,
176, 178, 190, 191, कुल 20 पद

विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि, विद्यापति का श्रृंगारवर्णन, सौंदर्य बोध, गीतियोजना, काव्य शिल्प

Unit 3 कबीर: संपादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश (I) पाठ्य साखियाँ—106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178,
190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238,
—30

कबीर की सामाजिक विचारधारा,
कबीर की निर्गुणोंपासना,
कबीर का दार्शनिक चिंतन,
कबीर की प्रासंगिकता,
कबीर का काव्य शिल्प

Unit 4: तुलसीदास: व्याख्या हेतु:

रामचरितमानस (सुंदरकांड) गीता प्रेस गोरखपुर

तुलसी के राम

तुलसी की समन्वय भावना

तुलसी की भक्ति भावना

तुलसी का आदर्शवाद

तुलसी का काव्य शिल्प

References:-

- 1 पृथ्वीराजरासो : साहित्यिकमूल्यांकन डॉ० द्विजराम यादव, साहित्य लोकप्रकाशन, कानपुर
- 2 चन्दबरदायीऔरउनकाकाव्य, विपिनबिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
- 3 आदिकाल की प्रामाणिकरचनाएँ, डॉ० गणपतिचन्द्रगुप्तनेशनलपब्लिशिंगहाउसप्रकाशन, नईदिल्ली ।
- 4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध-डॉ० रामसजनपाण्डेय, अनंगप्रकाशनमन्दिर, दिल्ली ।
- 5 विद्यापति : व्यक्तिऔर कवि-डॉ० रामसजनपाण्डेय, दिनमानप्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 विद्यापति-विश्वनाथमिश्र, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
- 7 कालजयी कबीर-डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानकदेव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
- 8 कबीर मीमांसा-डॉ० रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, वाराणसी ।
- 9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्वऔरसिद्धांत-डॉ० सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
- 10 मध्ययुगीनकाव्य साधना-डॉ० रामचन्द्रतिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
- 11 संत कबीर-रामकुमारवर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
- 12 संत कविदादूऔरउनकाकाव्य-वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नईदिल्ली ।
- 13 गोस्वामी तुलसीदास- रामजी तिवारी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- 14 गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, साहित्य सरोवर, आगरा

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भारतीय काव्यशास्त्र – 1	Course Code	26HND203DS02OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्र का विशिष्ट ज्ञान

2 छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना

Unit 1: काव्य : स्वरूप और प्रकार

काव्य : अर्थ और परिभाषा

काव्य-हेतु

काव्य-प्रयोजन

काव्य-भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

Unit 2 रस—सिद्धान्त

रस : परिभाषा तथा स्वरूप

रस-निष्पत्ति

साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकारसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

रीतिसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

Unit 3 ध्वनिसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

वक्रोक्तिसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

Unit 4: हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

डॉ० रामविलास शर्मा

References:-

- 1 1 काव्यशास्त्र-भगीरथमिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- 2 हिंदीकाव्यशास्त्र का इतिहास-भगीरथमिश्र, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ ।
- 3 भारतीय काव्यशास्त्र-योगेन्द्रप्रताप सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 4 भारतीय काव्यशास्त्र-सत्यदेवचौधरी, अलंकारप्रकाशन, नईदिल्ली ।
- 5 काव्य के रूप-गुलाबराय, प्रतिभाप्रकाशनमंदिर, दिल्ली ।
- 6 साहित्यालोचन-श्यामसुन्दरदास, इण्डियनप्रेस, प्रयाग ।
- 7 हिंदीआलोचना : उद्भवऔरविकास-भगवतस्वरूपमिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
- 8 आलोचकऔरआलोचना-बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 प्रगतिशीलहिंदीआलोचना की रचनाप्रक्रिया-हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- 10 साहित्य का आधारदर्शन-जयनाथ 'नलिन', आलोकप्रकाशन, भिवानी ।
- 11 साहित्य और अध्ययन-गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
- 12 हिंदीआलोचना का विकास-डॉ० सुरेशसिन्हा, रामाप्रकाशन, लखनऊ ।
- 13 हिंदीआलोचना की पारिभाषिक शब्दावली-डॉ० अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

Semester- 3rd

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भारतीय साहित्य-1	Course Code	26HND203DS03OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note: ➤ प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर आठ लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। ➤ प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।			
Course Learning Outcomes (CLO): 1 हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान 2 भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित करता है			
Unit 1: भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा भारतीय साहित्य का स्वरूप भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं भारतीयता का समाजशास्त्र हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति			
Unit 2 बांग्ला साहित्य इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन चैतन्य पूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय वैष्णव भक्ति परम्परामें चैतन्य महाप्रभु का योगदान बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ			
Unit 3 बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा			
Unit 4 हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिम चंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत् चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री-दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन			

References:-

- 1 बंगलासाहित्य की कथा : हिंदीसाहित्य—सुकुमारसेन, हिंदीसाहित्य सम्मेलनप्रयाग 2009
- 2 रवीन्द्रकविताकानन—सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली—1955
- 3 बंगलासाहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली—1970
- 4 फोर्टविलियमकालेज, लक्ष्मी सागर वार्षीय, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद—1948
- 5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदीसाहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

Semester- 3rd

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	प्रयोजनमूलक हिंदी- I	Course Code	26HND203DS04OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 राजभाषा हिंदी का ज्ञान कराना
- 2 कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकारों की जानकारी

Unit 1: प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र-लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

Unit 2 हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
 कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
 इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
 इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
 इंटरनेट : कार्यप्रणाली एवं सुविधाएँ
 मशीनी अनुवाद

Unit 3 अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार

- काव्यानुवादऔरउससेसंबंधितसमस्याएँ
- कार्यालयीहिंदीऔरअनुवाद
- कहानी का अनुवादऔरउससेसंबंधितसमस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

References:-

- 1 राजभाषाहिंदी—कैलाशचन्द्रभाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 2 प्रशासनिकहिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- 3 व्यावहारिकहिंदीऔरस्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 4 भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ० नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 भाषाविज्ञानऔरमानक हिंदी—डॉ० नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 भाषाऔरभाषा विज्ञान—डॉ० हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
- 7 आधुनिकविज्ञापन—प्रेमचन्दपातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 8 प्रयोजनमूलकहिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 कंप्यूटरप्रोग्रामिंग एंडआपरेटिंगगाइड—शशांकजौहरी, पूर्वाचलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 10 कंप्यूटर : सिद्धांतऔरतकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वाचलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 11 कंप्यूटरऔरहिंदी—हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
- 12 रेडियोऔरपत्रकारिता—हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
- 13 सैद्धांतिक एवंअनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान—डॉ० रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली ।

Semester-3rd

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	विशेष रचनाकार प्रेमचंद- 1	Course Code	26HND203DS06OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours
➤ Note ➤ प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक का होगा ।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा । ➤ प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से ईकाई एक और ईकाई दो से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक यूनिट से दो-दो व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा । ➤ प्रश्न 3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा ।			
Course Learning Outcomes (CLO): 1 प्रेमचंद युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना 2 प्रेमचंद को समग्रता से समझना			
Unit 1: प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ बड़े भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवासेरगेहूँ, बड़े घर की बेटी, शतरंज के खिलाड़ी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, पंचपरमेश्वर, परीक्षा, कफन ।			
Unit 2 निर्धारित निबंध – नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन और साहित्य में स्थान, कहानी कला			घृणा का
Unit 3 आलोच्य विषय प्रेमचंद का जीवन – वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में) प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद प्रेमचंद का जीवन – दर्शन हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान			
Unit 4 आलोच्य विषय प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ			

प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवंभाषासंबंधीप्रेमचंदके विचार)
पत्रकारिता के संदर्भमेंप्रेमचंद का योगदान
प्रेमचंद की भाषा
प्रेमचंद की प्रासंगिकता

References:-

- 1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृतिव्यवित्तत्व
- 2 नन्ददुलारेवाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिकविवेचना
- 3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
- 4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें
- 5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विवेचन
- 6 कल्याणमललोढ़ा सं० : प्रेमचंदपरिचर्चा
- 7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदानमूल्यांकनमाला
- 8 विश्वनाथप्रसादतिवारी संपा० : प्रेमचंद
- 9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नवमूल्यांकन
- 10 कमलकिशोरगोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान
- 11 नन्दकिशोरनवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
- 12 रामबक्ष : प्रेमचंदऔरभारतीय किसान
- 13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
- 14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल – 1	Course Code	26HND203SE01OD
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	

Note : Formative Assessment Model

	Marks distribution
Written test (2 X 15)	30
MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10)	20
Case study / Mini project (1 X 25)	25
Seminar / Presentation (2 X 10)	20
Attendance	05
Total	100

Course Learning Outcomes (CLO):

1. रचना एवं प्रयोग में होने वाली अशुद्धियों से अवगत कराना
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करना
3. विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल में वृद्धि करना

Unit 1 भाषा का स्वरूप

भाषा का सामाजिक संदर्भ और विविध प्रयोग

Unit 2: हिंदी भाषा की संरचना

हिंदी भाषा की प्रयोगगत अशुद्धियां

हिंदी भाषा का मानकीकरण

Unit 3 हिंदी भाषा के अनुप्रयोगगत आयाम

प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप

मनोरंजन की हिंदी

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र की हिंदी

अनुवाद और हिंदी

Unit 4:संप्रेषणकौशल : स्वरूप एवंप्रकार

संप्रेषण के बढ़तेचरण : सूचनासमाज, संचार

संप्रेषणऔरसंचारमेंअंतःसंबंध

References1.

1. भाषाशिक्षण—रवींद्रनाथश्रीवास्तव
2. हिंदीभाषा का समाजशास्त्र —रवींद्रनाथश्रीवास्तव
3. व्यावसानिकहिंदी—दिलीप सिंह
4. प्रयोजनमूलकहिंदी—दंगलझाल्टे
5. संचारभाषाहिंदी—सूर्यप्रसाददीक्षित
6. व्यावहारिकहिंदी एवंप्रयोग— डॉ. ओमप्रकाश
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकीऔरविचारधारा—जगदीश्वरचतुर्वेदी

SEMESTER - IV

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 2	Course Code	26HND204DS01OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ **Note:**

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दसवस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान**
- 2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1 सूरदास

भ्रमरगीतसार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य पद-21 से 50—कुल 30 पद

आलोचनात्मक प्रश्न

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत, सूर की भक्तिभावना, सूर का शृंगारवर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर की भाषा-शैली, सूर की गीतियोजना, भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

Unit 2 तुलसीदास

कवितावली, गीता प्रैस गोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारित पद

बालकाण्ड – 1 से 5, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड – 1, 2, 7, 11, 12, 19 से 25

उत्तरकाण्ड – 26 से 50

तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि, तुलसीदास की प्रासंगिकता, तुलसीदास की समन्वय भावना, कवितावली का काव्य रूप, कवितावली का काव्य सौष्ठव, तुलसीदास की लोकमंगल-भावना

Unit 3 बिहारी

बिहारी रत्नाकार-सं० जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

निर्धारित दोहे-1, 2, 13, 16, 25, 31, 32, 38, 51, 52, 61, 69, 70, 71, 73, 78, 85, 103, 112, 121, 141, 142, 154, 171, 191, 192, 201, 207, 217, 228, 251, 255, 285, 299, 301, 303, 321, 327, 341, 347, 357, 386, 432, 472, 519, 576, 635, 677, 681, 713—50 दोहे

बिहारी-आलोचनात्मक प्रश्न

सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई

बिहारी का शृंगारवर्णन

बिहारी की बहुज्ञता

बिहारी का शिल्पपक्ष

Unit 4:

भूषण

भूषण ग्रंथावली- संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन सन 2012

शिव भूषण- 50, 350, 409, 411, 420, 423, 429, 430, 438, 443, 446, 477, 504, 510, 522

भूषण का जीवन वृत्त व रचनाएँ

हिंदी वीर काव्य परम्परा और भूषण

भूषण का वीर रस वर्णन

भूषण का शिल्प पक्ष

References:-

- 1 तुलसीदर्शनमीमांसा-उदयभानु सिंह, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ ।
- 2 तुलसीदास-चन्द्रबलीपाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- 3 तुलसीसाहित्य के सांस्कृतिक आयाम-डॉ० हरिश्चन्द्रवर्मा, हिंदीसाहित्य संस्थान, रोहतक ।
- 4 तुलसी का मानस-डॉ० मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
- 5 सूरऔरउनकासाहित्य-डॉ० हरवंशलाल शर्मा, भारतप्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़ ।
- 6 सूर की साहित्य साधना-डॉ० भगवत्स्वरूपमिश्र एवंविश्वम्भरअरुण, शिवलालअग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
- 7 बिहारीऔरउनकासाहित्य-डॉ० हरवंशलाल शर्मा, भारतप्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़ ।
- 8 हिंदीसाहित्य का इतिहास-आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणीसभा, काशी ।
- 9 बिहारी-बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली ।
- 10 महाकविबिहारी का शृंगार निरूपण-डॉ० गणपतिचन्द्रगुप्त, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली ।
- 11 भारतीय साहित्य के निर्माता भूषण- राजमल वोरा, साहित्य अकादमी, दिल्ली

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भारतीय काव्यशास्त्र – 2	Course Code	26HND204DS02OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

- Note: प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न **एक-एक अंक** का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20 अंक** का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10 अंक** का होगा। पूरा प्रश्न **40 अंक** का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्र का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1: प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विवेचन सिद्धांत
लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा

Unit 2 ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

Unit 3 मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी० एस० इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई० ए० रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

Unit 4: काव्यशास्त्र : सिद्धांत औरवाद—
स्वच्छन्दतावाद
शास्त्रीयतावाद
अभिव्यञ्जनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तरआधुनिकतावाद

References:-

- 1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त—डॉ० मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
- 2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र—देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
- 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा—डॉ० तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।

- 4 आलोचकऔरआलोचना—बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 प्रगतिशीलहिंदीआलोचना की रचनाप्रक्रिया—हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।
- 6 पाश्चात्य काव्य चिंतन—डॉ० करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातनसंदर्भ—सत्यदेवमिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 8 हिंदीआलोचना के आधारस्तम्भ—सम्पादकरामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 9 हिंदीआलोचनाशिखरों का साक्षात्कार—रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 10 हिंदीआलोचना की पारिभाषिक शब्दावली—डॉ० अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

Semester- 4th

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	भारतीय साहित्य- 2	Course Code	26HND204DS03OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान
- 2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1: दीवान-ए-गालिब, संपा0-अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18	
ये न थी हमारी किस्मत		21
ज़िफ़ उस परीचश का		44
रहिए अब ऐसी जगह		128
कोई उम्मीद बरनहीं आती	162	
दिले ना दांतुझे हुआ क्या है	163	
हर एक बात पै कहते हो		179
नुक्त ची है गम-ए-दिल		192
इब्ने मरियम हुआ करे कोई	216	
हजारों ख्वाहिशें ऐसी		220

- गालिब की गजलों का काव्य-सौष्ठव

Unit 2 रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड I), अनु0-रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियाँ-

पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियाँ-पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्र चित्रण पर आधारित प्रश्न

Unit 3 'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर

'खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूलसंवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य, रंगमंच की दृष्टि से नाटक

UNIT-4

संस्कार (उपन्यास) : यू० आर० अनंतमूर्ति

संस्कार : उपन्यास का मूलप्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रों का चरित्रचित्रण, उपन्यास का शिल्प-पक्ष

References:-

- 1 बंगलासाहित्य की कथा : हिंदीसाहित्य –सुकुमारसेन, हिंदीसाहित्य सम्मेलनप्रयाग सं० 2009
- 2 रवीन्द्रकविताकानन-सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली-1955
- 3 बंगलासाहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली-1970
- 4 फोर्टविलियमकॉलेज, लक्ष्मीसागर वाष्णीय, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद-1948
- 5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदीसाहित्य भवन, इलाहाबाद सं० 1013

Semester-4th

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	प्रयोजन मूलक हिंदी- 2	Course Code	26HND204DS04OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दसलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से सात प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल छः दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. इकाई-3 में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 20 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को 14 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी पत्रकारिता व समाचार लेखन का ज्ञान।
- 2 संचार माध्यम व मीडिया की समझ विकसित होगी।

Unit 1 पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

Unit 2 मीडिया लेखन

जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ

जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य-श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

भाषा-विज्ञानशब्दावली

Accent-आघात बल

Alphabet-वर्णमाला

Bracket-कोषटन

Comma-अल्पविराम

Density- घनत्व

Domal-मूर्धन्य

Editing- संपादन

Folk Speech- लोक भाषा

Gap- रिक्ति

Graph- आलेख

Hybrid Word-संकर शब्द

Labial- ओष्ठ्य

Mapping- मन चित्रण

Nasal- नासिक्य

Root- धातु

Style- शैली

Adjective- विशेषण

Bilingual-द्विभाषी

Close-संवर्त

Concept-संकरना

Derive- युक्ति

Ear- कान

Explosion- विस्फोट

Formula-सूत्र

Glossary-शब्दावली

Half Open- अर्ध विवर्त

Idiomatic- मुहावरेदार

Lexis- शब्द समूह

Motion- गति

Phase- वाक्यांश

Spelling- वर्तनी

Vowel- स्वर

मानविकी शब्दावली

Abbreviation-संक्षेपण

Adhoc- तदर्थ

Class-वर्ग / कक्षा

Definition-परिभाषा

Epic-महाकाव्य

Faculty- संकाय

Grant-अनुदान

Heading- शीर्षक

Journalism-पत्रकारिता

Method- पद्धति

Noun-संज्ञा

Officiating- स्थानापना

Part Time-अंश कालिक

Absence-अनुपस्थिति

Basic- मूल आधारभूत

Concept-संकल्पना

Dialect-बोली

Ethics-नीतिशास्त्र

Format- प्रारूप

Gender- लिंग

Idiom- मुहावरा

Logic- तर्कशास्त्र

Monopoly-एकाधिकार

Notification- अधिसूचना

Ordinance- अध्यादेश

Proverb -लोकोक्ति

Record- अभिलेख

Sample- नमूना

प्रशासनिकशब्दावली

Ability- योग्यता

Acceptance- स्वीकार्य

Actual- वास्तविक

Allowance-भत्ता

Background- पृष्ठभूमि

Back Log- पिछला बकाया

Casual Leave-आकस्मिक अवकाश

Concession-रियायत

Daily Allowance-दैनिक भत्ता

Dead Line- समय सीमा

Delete- हटाना

Economy- अर्थ व्यवस्था

Employee- कर्मचारी

Face Value-अंकित मूल्य

Fine Art-ललित कलायें

Gazetted-राजपत्रित

Gold Medal- स्वर्ण पदक

Handover-सौंपना

Honorary-मानक/अवैतनिक

Illegal-अवैध

Keyboard-कुंजीपटल

Light House-प्रकाशस्तम्भ

Management- प्रबंधन

Nationalism-राष्ट्रीयता

Oath-शपथ

Pay Scale-वेतनमान

Quiz-प्रश्नोत्तरी

Renewal-नवीकरण

Salary-वेतन

Script-आलेख/लिपि

Target-लक्ष्य

Time Table-समय सारिणी

Ultimate-अंतिम चरण

Verbal-मौखिक

Warning-चेतावनी

Welfare-कल्याण

Xerox Copy- छायाप्रति/जीरोक्स कापी

Youth-युवा

Zeal- उत्साह/जोश

Zonal-आंचलिक

कंप्यूटरशब्दावली

Absolute- निरपेक्ष

Account- खाता

Back Up- पूर्तिकर

Blank- रिक्त

Cancel-निरमन	Code- कूट
Computer- कंप्यूटर	Control- नियंत्रण
Data- आंकड़ा	Delete- विलोपन
Diagram- आरेख	Edit- संपादन
Error- त्रुटी	Enter-प्रवेश
Feed Back- पुनर्भरण	File-संचिका
Graph- आलेख	Graphic Display Unit- आलेखी प्रदर्शक
Hand Up - अनायोजित विराम	Keyboard- कुंजीपटल
Location- स्थान	Memory- स्मृति
Micro Code- सूक्ष्म कूट	Network-जालकर्म
Processing-संसाधन	Process-प्रक्रम
Screen-प्रपट्ट	User-उपभोक्ता
Window- गवाक्ष	

References:-

- 1 राजभाषाहिंदी—कैलाशचन्द्रभाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 2 प्रशासनिकहिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- 3 व्यावहारिकहिंदीऔरस्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 4 भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ० नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 5 भाषाविज्ञानऔरमानक हिंदी—डॉ० नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
- 6 भाषाऔरभाषा विज्ञान—डॉ० हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
- 7 आधुनिकविज्ञापन—प्रेमचन्दपातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 8 प्रयोजनमूलकहिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- 9 कंप्यूटरप्रोग्रामिंग एंडआपरेटिंगगाइड—शशांकजौहरीपूर्वाचलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 10 कंप्यूटर : सिद्धांतऔरतकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वाचलप्रकाशन, दिल्ली ।
- 11 कंप्यूटरऔरहिंदी—हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
- 12 रेडियोऔरपत्रकारिता—हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली ।
- 13 सैद्धांतिक एवंअनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान—डॉ० रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली ।
- 14 प्रयोजनमूलकहिंदी: रोजगार का राजद्वार-डॉ नरेश मिस्र[केंद्रीय हिंदी निदेशालय]तथा नेशनल बुक ट्रस्ट] नईदिल्ली ।

डॉ

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	विशेष रचनाकार प्रेमचंद – 2	Course Code	26HND204DS06OD
Hours per Week	04	Credits	04
Maximum Marks	70+30=100	Time of Examinations	03 Hours

➤ Note:

- प्रश्न-1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न-2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1, 2 और 3 से कुल छ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न-3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

- 1 हिंदी साहित्य का ज्ञान होगा।
- 2 हिंदी उपन्यासों की समझ विकसित होगी।

Unit 1: रंगभूमि

Unit 2 कर्मभूमि

Unit 3 प्रेमाश्रम

Unit 4 आलोच्य विषय

- 1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास—परम्परा
- 2 प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक—चेतना
- 3 प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्श और यथार्थ
- 4 प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी—चित्रण
- 5 प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प
- 6 रंगभूमि में गाँधीवादी दर्शन
- 7 प्रेमाश्रम में कृषक जीवन
- 8 कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन
- 9 हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

References:-

- 1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृतिव्यक्तित्व
- 2 नन्ददुलारेवाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिकविवेचना
- 3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
- 4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें
- 5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
- 6 कल्याणमललोढा सं० : प्रेमचंदपरिचर्चा
- 7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदानमूल्यांकनमाला
- 8 विश्वनाथप्रसादतिवारी संपा० : प्रेमचंद
- 9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा –नवमूल्यांकन
- 10 कमलकिशोरगोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान
- 11 नन्दकिशोरनवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
- 12 रामबक्ष : प्रेमचंदऔरभारतीय किसान
- 13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
- 14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

Name of Program		Program Code	
Name of the Course	हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल- 2	Course Code	26HND204SE01OD
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	

Note : Formative Assessment Model

	Marks distribution
Written test (2 X 15)	30
MCQs/ Quizzes/ Group Discussion (2 X 10)	20
Case study / Mini project (1 X 25)	25
Seminar / Presentation (2 X 10)	20
Attendance	05
Total	100

Course Learning Outcomes (CLO):

- भाषाई दक्षता का विकास
- विद्यार्थियों की कार्यकुशलतामेंवृद्धि
- विषय के संक्षेपण एवंपल्लवन की कुशलता का विकास

Unit 1 हिंदीभाषा की बोलियां

हिंदीभाषा की शैलियां

Unit 2: संक्षेपण : अर्थ, स्वरूप एवंविशेषताएँ

प्रतिवेदन : अर्थ, स्वरूप एवंविशेषताएँ

Unit 3 हिंदीविविध प्रयुक्तियां

बोलचाल की हिंदी, साहित्यिकहिंदी, विज्ञान की हिंदी, कार्यालयीहिंदी

Unit 4: प्रभावीलेखन, संचार माध्यम के लिए लेखन

विविध पत्र लेखन

References1.

1. हिंदीभाषा, भोलानाथतिवारी
2. प्रयोजनमूलकहिंदी : सिद्धांत एवंप्रयोग, दंगलझाल्टे
3. हिंदी का सामान्य ज्ञान, हरदेवभारती
4. संचारभाषाहिंदी, सूर्यप्रसाददीक्षित
5. राजभाषाहिंदी, भोलानाथतिवारी
6. हिंदीभाषा का सामाजिकसंदर्भ, रवींद्रनाथश्रीवास्तव